FirstAmendmentRadio.com
फर्स्ट अमेन्डमेन्ट राइट्स मीडिया ग्रुप

इन्वेस्टिगेटिव जर्नल

ग्रेग एंथनी के साथ

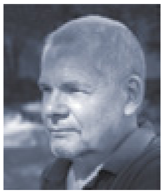

मिनिस्ट्री नष्ट करने की वेटिकन समर्थित एनडब्ल्यूओ की साजिश

अगस्त, 2014

मैं विगत अनेक वर्षों से अपने रेडियो शोज़ में, पर्दे के पीछे कार्य करने वाली गोपनीय संस्थाओं की बात करते समय वेटिकन और इसके सभी अंगों पर चर्चा करता रहा हूँ। आप इंटरनेट की साइट देखें, किसी का कहना है ये संगतराश (फ्रीमेसंस) है, किसी की राय में ये खोपड़ियों और हड्डियों अथवा गोपनीय संस्थाओं का अव्यवस्थित संगठन है; मोसाद सहित सीआईए को काफी अधिक मत प्राप्त होते हैं। आपने भी सुना होगा कि ये ब्रिटिश बैंकिंग संघ हैं, और निसंदेह यहूदी हैं। लेकिन वेटिकन इस दायरे में शायद ही कभी आता है। मेरा मानना है कि ऐसा इस कारण है क्योंकि अनेक इंटरनेट साइटें इनके नियंत्रण में हैं। दूसरों को यह जानकारी मिल ही नहीं सकती है। यह आसान नहीं है। मैं सात वर्ष रोम में रहा, मैंने वेटिकन में भी काफी समय बिताया और बहुत सीखा। मैं उस अनुभव और शैक्षिक अनुभव को प्रकाश में लाना चाहता हूँ। मैं चीज़ों को व्यवहारिक और कानूनी नजरिए से देखता हूँ। मेरे पास कानून की डिग्री है और मैं काफी समय तक पत्रकार भी रहा हूँ।

जब आप वेटिकन को चर्चा के दायरे में लाने की कोशिश करते हैं, तो यह बहुत कठिन है। कहानियाँ मुझे मुश्किल में डाल देती हैं। जब भी मुझे किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति की कोई जानकारी मिलती है तो यह उसे इस समूह से जोड़ती है। जब मैं अन्य रेडियो स्टेशनों पर था मैंने जेनिसिस की तरह इस कहानी पर ध्यान देना शुरु किया, बड़ा रेडियो स्टेशन जिसमें एलेक्स जोन्स काम कर रहा था, रिपब्लिक, जो उनके सहयोगी स्टेशन के समान था, मुझे कहा गया था, "आप इस कहानी को छोड़ क्यों नहीं देते? अब इसे ज्यादा कवर मत करो।" मैंने इसे न छोड़ने का निर्णय लिया और ऐसी जगह चुनी जहाँ मैं इसे पूरा कर सकता था, और वो था एक क्रिस्चियन स्टेशन। इसका कारण यह था कि क्रिस्चियन स्टेशन यह बताना चाहता था कि वेटिकन ने बाइबल की दुनिया कैसे दूषित की और किस प्रकार सभी प्रोटेस्टेंट चर्चों और उस जैसे अन्य चर्चों को अपने झुण्ड में आने के लिए दबाव डाला।

मैं उन संभावित साक्ष्यों के बारे में सब कुछ नहीं बताने जा रहा जिनके कारण मुझे और बहुत से अन्य लोगों को विश्वास हुआ है कि न केवल तथाकथित षडयंत्रकारी साइटें, बल्कि वहाँ पर अन्य लोग, विश्वसनीय लोग भी इसके बारे में बातें कर चुके हैं। यह कभी भी बाहर नहीं आया। मुझे डर है कि समय रहते यह बात गंभीर लोगों तक कभी नहीं पहुँचेगी ताकि हम कारवाँ का नाश रोक सकें जो विश्व स्तर पर घटित होने जा रहा है। जब मैं कारवाँ का नाश कहता हूँ, मेरा तात्पर्य युद्धों से है; देखो तो सही, इस समय इराक में क्या हो रहा है, मध्य-पूर्व में क्या हो रहा है। स्थिति तो और भी अधिक खराब होने जा रही है। अपने देश के बारे में विचार करने पर लगता है सबकी आज़ादी छीनी जा रही है। आप आर्थिक गिरावट देख सकते हैं और यह एक धीमी मौत की तरह है। आप और अधिक 9/11 नहीं देख पाए क्योंकि इसके पीछे वह शक्ति है जो सोचती है कि चीजें उनके नियंत्रण में हैं। अब यह वैसा देश नहीं जैसाकि यह तीस वर्ष पूर्व था।

ऐसे अनेक लोग हैं जिन्हें इन लोगों ने नुकसान पहुँचाया। उनमें से बहुत से लोगों को मैंने अनेक वर्षों तक कवर किया। ऐसे दो लोग जो इस समय मेरे दिमाग में आए हैं उनके बारे में मैं नाटक लिखने जा रहा हूँ, प्रत्येक के लिए एक नाटक। उनमें से एक पेस्टर (पादरी) थे जो इस समय आजीवन कारावास काट रहे हैं। दूसरा एक लेखक, पत्रकार, संगीतकार था जिनका नाम टपर सॉसी था, रूलर्स ऑफ ईवल लिखने के बाद वर्ष 2007 में जिनका निधन हो गया, रूलर्स ऑफ ईवल हर किसी को अवश्य पढ़नी चाहिए। हालाँकि पुस्तक व्यापक स्तर पर वितरित नहीं की गई, न ही मुख्यधारा के हलकों में इसकी चर्चा की गई, एंटी-वेटिकन की अधिकतर साइटों पर इसका उल्लेख भी नहीं किया गया। यह बहुत ही दिलचस्प स्थिति है। इसीलिए मुझे लगता है कि इसके पीछे कोई न कोई कारण है।

पेस्टर टोनी अलेमो इस देश के लोगों को वेटिकन संगठन की करतूतों के बारे में बताने के संबंध में समय से आगे थे। उन्होंने ऐसा बाइबल मिनिस्ट्रीज के माध्यम से किया। मेरा मानना है कि यह एक कारण है कि वे इस समय जेल में हैं। ऐसा होना असामान्य नहीं। अनेक रोमन कैथोलिक पुरोहितों पर बाल यौनशोषण और ऐसे अनेक अन्य आरोप लगाए जा रहे हैं। टोनी पर भी यही आरोप लगाए गए। उनके निकट रहने वाले अनेक लोग जो उन्हें अच्छी तरह जानते थे, उन्हें लगता है कि उन्हें फँसाया गया था। यदि आप वेटिकन द्वारा नुकसान पहुँचाए गए अन्य लोगों की कहानियाँ देखें तो ये ऐसी हैं कि आपको इनके बारे में सोचना पड़ेगा। मैं भी आपसे ऐसा ही करने के लिए कह रहा हूँ। वेटिकन का एमओ, वेटिकन जो आमतौर पर अपने आलोचकों के विरुद्ध रहता है, लोगों पर लगाए गए आरोपों के अनुसार ही उन पर मुकदमा चलाता है, जो लोग उसके विरुद्ध सबसे अधिक बोलते हैं उन्हें चुनकर उन पर आरोप लगाता है।

अत: मेरा मानना है टोनी के सबसे अधिक विरुद्ध जो चीज थी वह था- वेटिकन की सख्त आलोचना करना, उनकी स्थिति, उनकी कारोबारी सफलता, दुनियाभर में अनेक मिनिस्ट्रीज़ का होना, उनके द्वारा अपनी बात का प्रभावशाली तरीके से फैलाया जाना। वो प्रचार पुस्तिकाएँ तैयार करते, बातें करते, उनके रेडियो स्टेशन थे, वे दिन भर रेडियो शो करते, शॉर्ट वेव स्टेशनों के लिए भुगतान करते, न केवल यहाँ बल्कि विदेशों में भी यह सब बेहद प्रभावी तरीके से करते। इसलिए मुझे यकीन है कि वेटिकन उन्हें शांत करने के तरीके खोज रहा था। हमें इसकी प्रबल संभावना दिखती है कि टोनी की स्थिति ऐसी ही थी।

मैं टोनी से पहली बार तब मिला जब मैं अलबर्टो रिवेरा नाम के एक व्यक्ति में बहुत अधिक दिलचस्पी लेता था, जो अब हमारे साथ नहीं हैं। लेकिन वे एक उच्च स्तरीय जेसुइट थे, उन्होंने वेटिकन से

संबन्ध तोड़ा और दुनिया को बताया कि वैटिकन किस प्रकार चर्चों में घुसपैठ करता है और ठीक यही चीज़ें उन लोगों, अन्य पेस्टरों के साथ करता है, जो वेटिकन को ईसा-विरोधी मानते हैं, वे लोगों को कैसे डराते-धमकाते हैं ताकि बाइबल की सच्चाई का प्रचार रोका जा सके। वर्षों पूर्व, यहाँ तक कि 30 और 40 के दशकों में भी अनेक प्रोटेस्टेंट चर्च बीस्ट, शहर जो सात पहाड़ों पर बसा है, के विरुद्ध बोला करते थे। वे खतरनाक और धोखेबाज नकली चर्चों के विरुद्ध भी बोला करते थे। इस तरह अमेरिका कैथोलिक्स नहीं था। लेकिन आज आप कह सकते हैं कि अमेरिका कैथोलिक देश है। इसके नेता सभी कैथोलिक हैं। इन दिनों बहुत लोग अधार्मिकता अपना रहे हैं, यह भी वेटिकन की योजना का हिस्सा है। आधुनिक आंदोलन को आप फादर पियरे डे चार्डिन, जोकि एक जेसुइट पादरी थे, के समय में भी देख सकते हैं और आप उनके इरादे जान सकते हैं। इस प्रकार वेटिकन न केवल आपकी सरकार, आपकी जेब, बल्कि आपके मस्तिष्क, शरीर और आत्मा पर भी नियंत्रण के लिए विविध रणनीतियाँ अपना रहा है। और यहाँ भी, इसका तात्पर्य यही है।

अल्बर्टो रिवेरा की कहानी पर काम करते हुए मुझे पता चला कि अमेरिका पहुँचने पर अल्बर्टो को अपनी मिनिस्ट्रीज में ले जाने वाले और उन्हें वहाँ बोलने की अनुमति देने वाले टोनी ही पहले व्यक्ति थे और लोगों को उनके द्वारा जेसुइट के बारे में बताई गई भीतर की कहानी से अवगत करवाया।

विगत 40 - 50 वर्षों से, टोनी हमें हमारी धार्मिक स्वतंत्रता पर वेटिकन के प्रभाव और हमारी राजनैतिक प्रणाली में प्रवेश करने के शैतानी प्रभाव के बारे में सच्चाई बताते आ रहे हैं। टोनी इस वेटिकन-विरोधी कहानी के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुँच रहे हैं, जिसे सुनाए जाने की आवश्यकता है क्योंकि यहाँ संभावित प्रमाण है जो दर्शाता है कि टोनी जो कह रहे हैं वह सही है और इसी वजह से उन्हें सताया जा रहा है।

टोनी अलेमो वर्ष 2008 से 175 वर्षों के लिए जेल में है। उन पर यौन शोषण के झूठे आरोप लगा कर उन्हें जेल भेजा गया। अरकंसास में वर्ष 2008 में अलेमो क्रिस्चियन मिनिस्ट्रीज पर डाला गया छापा वाको स्टाइल छापा था। मुझे इसके बारे में मुख्यधारा के मीडिया से जानकारी मिली, लगा कि मीडिया को इसके बारे में बहुत कुछ पता था। मेरा मानना है कि उनका इरादा इस बेहद सफल मिनिस्ट्री को बंद करना था, जिसकी विभिन्न राज्यों में चर्च हैं, साथ ही उनका इरादा टोनी को फँसाना था।

यह तरीका इस मिनिस्ट्री के बच्चों पर हमला था। इस छापे के बारे में एक ब्लॉगर ने कहा: “जब स्टेट और फेडरल कानून प्रर्वतन अधिकारियों ने टोनी अलेमो की मिनिस्ट्री पर छापा मारा, यदि सभी नहीं तो भी टेक्सारकाना, अरकंसास के प्रमुख न्यूज मीडिया इस रहस्य को खुलता देखने के लिए मौजूद थे, लेकिन जब तक यह छापे की कार्रवाई शुरु नहीं हुई तब तक इसके बारे में कुछ भी नहीं लिखा गया।” अंत: वे इसके बारे में सब जानते थे। आरंभ में छापे की कार्रवाई अक्तूबर, 2008 के लिए निश्चित की गई थी, लेकिन छापा सितम्बर में मारा गया। शुक्रवार, जो कि छापे की कार्रवाई से पहले का दिन था, को अमेरिकी अटॉर्नी के ऑफिस से किसी व्यक्ति ने गलती से राज्यभर के 50 मीडिया आऊटलेट को छापे के बारे में एक ईमेल भेज दिया। यह ईमेल छापा मारे जाने के निश्चित समय से कई सप्ताह पहले भेजा गया था। मेरा मानना है कि ऐसा निष्पक्ष सुनवाई से पहले ही टोनी को दोषी ठहराने के लिए किया गया था।

मामला यह दर्शाने के लिए था कि वे आपके विरुद्ध क्या कर सकते हैं---------

फ्रैंक एल. नाम के एक ब्लॉगर ने कहा: “अब चूँकि रहस्य खुल गया है, इसलिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने छापे का समय पहले कर दिया। समाचार-पत्रों को निर्णय लेना था कि वे यह स्टोरी शनिवार के संस्करण में छापें अथवा एक-दो दिन इंतजार करें। चर्च में बच्चों के कथित रूप से पाए जाने और बच्चों के शोषण के आरोपों सहित इस स्टोरी को छापने से, राज्य के प्रत्येक समाचार संगठन ने छापा शुरू होने से पहले अपने को दूर रखा।” इस सबको सनसनीखेज बनाकर प्रचारित करने के लिए उनके साथ मीडिया था; ठीक-ठीक कोई नहीं जानता था कि क्या हो रहा है। शक्तिशाली प्रहार करने की (SWAT) शैली में छापा डाला जाना, गलत तरीके से दोषी ठहराया जाना था। स्वेट (SWAT) टीम बंदूकों और रायफलों के साथ आई, जब बच्चे बाहर खेल रहे थे तो उन्हें डराया, उन्होंने टोनी को गिरफ्तार करने की कोशिश की जबकि उन्हें मालूम था कि टोनी वहाँ नहीं हैं और वह उस समय लॉस एंजिल्स में थे। ऐसे कोई संकेत नहीं थे कि चर्च के ग्राउंड में कोई हथियार अथवा ऐसी कोई अन्य चीज हो। यह एक शांतिप्रिय संगठन था और यदि वे टोनी को गिरफ्तार करना चाहते तो वे आराम से भी ऐसा कर सकते थे लेकिन यह मीडिया प्रदर्शन था और यह उन्हें निष्पक्ष सुनवाई से पहले ही दोषी ठहराए जाने के लिए था।

उस दिन छह बच्चों को राजकीय हिरासत में लिया गया। अगले दिन, यह स्टोरी मुख्यधारा के मीडिया में आ गई। देशभर में छापे मारे गए और श्री अलेमो को पहले ही दोषी करार दे दिया गया। स्टोरी को ओपरा विनफ्रे शो और कुछ अन्य बड़े क्राइम शो में दिखाया गया।

एक एटॉर्नी के नज़रिए से इस मामले में ज्यादा कुछ नहीं था, जो कुछ भी उनके पास था वो विकृत था। मामला यह दर्शाने के लिए था कि यदि आप कैथोलिक चर्च और वेटिकन के विरोध में बोलते हैं तो वे आपके विरुद्ध क्या कर सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के छल और दोहरे मानकों पर नजर डालें - कनाडा, आयरलैंड के स्कूलों में बच्चों के साथ जो कुछ हुआ उसके काफी अधिक प्रमाण मिलने और पूरी दुनिया में बच्चों का उत्पीड़न और शोषण किए जाने के बाद भी वेटिकन चर्चों को खुला रहने दिया गया - क्या हमें अब भी इस चर्च को चलते रहने देना चाहिए? उनके पास धन और शक्ति है और हमारी सरकार पर उनका नियंत्रण है इसलिए वे बच्चों का शोषण करने के बाद भी बच सकते हैं। यदि आपकी आवाज़ अलेमो जितनी बुलंद है, तो वे आप पर उसी तरह के आरोप लगा सकते हैं जिनके लिए वे स्वयं दोषी हैं और वे मीडिया, एफबीआई, कानून प्रवर्तन, रिश्वत का प्रयोग कर सकते हैं और लोगों से आपके विरुद्ध झूठी गवाही दिलवा सकते हैं जो बाद में अपने बयानों से मुकर भी जाते हैं।

टोनी की आयु 80 वर्ष है, वो अंधे हैं और जेल में बंद हैं। टोनी ने जेल से कहा है कि ये लोग पिछले लगभग 50 वर्षों से उसे जेल में डालने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने कहा, “पहले उन्होंने हम पर कम्युनिस्ट होने का आरोप लगाया। उन्होंने हमें तंग किया और हमें और हमारे सदस्यों को निष्ठुरता से जेल में डाला और ईश्वर के वचन (वर्ड ऑफ गॉड) के बारे में सच बताने से मेरी पत्नी सुसान और मुझे रोका। उसके बाद उन्होंने हमें वाको बनाने की कोशिश की, हम पर एक खतरनाक और हथियारबंद संप्रदाय होने का आरोप लगाते रहे। उसके बाद उन्होंने हम पर बच्चों का शोषण करने का आरोप लगाया, अंत में लॉस एंजिल्स एटॉर्नी ने ये आरोप रद्द कर दिए। तब उन्होंने मुझ पर एक

फेडरल जज का अपहरण करने की धमकी देने का आरोप लगाया। ज्यूरी ने मुझे दोषी नहीं पाया। उसके बाद एक ऐसी आय का कर न चुकाने का झूठा मामला बनाने के लिए आईआरएस का प्रयोग किया गया जो कभी अर्जित ही नहीं हुई। आईआरएस के गवाहों को मेरे विरुद्ध गवाही देने के लिए डराया। जिन दस्तावेज़ों को छिपाने का मुझ पर आरोप लगाया गया था वे आईआरएस के पास थे। मेरे अटॉर्नी जेफ डिकस्टेन कर प्रतिवादी थे, उन्हें ऐसी स्थिति में डाला गया कि वे या तो मुझे संकट में डालें अथवा स्वयं जेल जाएँ। मुझे 6 वर्ष की सजा हुई लेकिन मैं अच्छे आचरण के आधार पर 1998 में चार वर्षों में ही बाहर आ गया। एफबीआई बिना किसी ढील के मेरे मामले की जाँच करता रहा। अंतत: वर्ष 2008 में, उन्होंने कुछ ऐसे झूठे गवाह जुटाए जो कई वर्ष पहले चर्च छोड़ चुके थे। एक सिविल मामले में क्षतिपूर्ति और धन का प्रस्ताव बेहद आकर्षक था। सिविल मामले में भी उन्हीं पाँच गवाहों को लाया गया और छठा भी एक पूर्व सदस्य था, जिसे मामले को मजबूती देने के लिए एक आपराधिक मुकदमे में प्रयोग किया गया। लेकिन इस बार सिविल मुकदमे में वह धन पाना चाहती थी इसलिए उसने एक नया आरोप लगाया कि उसे एक पत्नी बनाए जाने की तैयारी की जा रही थी, लेकिन वह बच निकली। सातवीं गवाह जून 2010 तक चर्च में थी, वो जानती थी कि मैं निर्दोष हूँ और उसने मुकदमे के बाद भी मेरा समर्थन किया। उसके बाद जून में वह चली गई। कुछ महीनों के भीतर ही वह धन के लिए सिविल मुकदमे में शामिल हो गई। सिविल मुकदमा फेडरल कोर्ट में चल रहा था, लेकिन मुकदमे के पूरा होने के आसपास अंतत: जज ने संक्षिप्त निर्णय के लिए दायर प्रस्ताव का निपटारा कर दिया और फेडरल आरोप निरस्त कर दिए। इस प्रकार मामला बंद हो गया और अरकंसास स्टेट कोर्ट में फिर से दायर किया गया। जज ने उन सभी आरोपों को स्टेट कोर्ट में पुन: बहाल करने की अनुमति दी जिन्हें वह अधिकारपूर्वक त्याग चुका था। हमारे पास फिर से मुकदमा लड़ने के लिए धन नहीं था, इस प्रकार अभाववश हम यह मुकदमा हार गए।" जज ने टोनी पर $525 मिलियन डॉलर और चर्च पर $525 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया।

आपराधिक मामले में सरकार ने टोनी और चर्च पर वहाँ प्रहार किया जहाँ उन्हें सर्वाधिक ठेस पहुँचती: बच्चों पर। सरकार ने बच्चों के लिए उनकी मिनिस्ट्री के प्रत्येक उस स्थान की तलाशी ली, जहाँ से पहले छापे में बच्चों को नहीं ले जाया गया था। उन्होंने अमेरिका में अन्य स्थानों पर रहने वाले पूर्व सदस्यों और समर्थकों के घरों पर छापा मारा और क्योंकि वे पेस्टर और मिनिस्ट्री की मदद कर रहे थे, इसलिए उन्होंने उनके बच्चों को उठा ले जाने की धमकी दी।

सितम्बर, 2008 में सौ पुलिस अधिकारियों, मार्शल, एफबीआई और स्वेट (SWAT) टीम के सदस्यों ने छापा मारा और वे उस शाम बंदूक की नोक पर छह लड़कियों को उठा ले गए। ऐसा कुछ भी नहीं मिला जिससे वे यह सिद्ध कर सकते थे कि टोनी ने किसी भी लड़की के साथ कुछ भी गलत किया था। वे उन्हें एक वैगन में घसीट ले गए और लड़कियाँ गॉस्पल गीत गाती रहीं। अगले दिन लड़कियों का फॉरेंसिक इंटरव्यू लिया गया जिसमें उन्हें लड़कियों के साथ किसी भी अनुचित बात के होने का पता नहीं चला। एक किशोरी तो वहाँ रहने वाली अपनी एक वयस्क बहन से मिलने आई हुई थी लेकिन उन्होंने उसे भी उसके माता-पिता को सौंपने से इनकार कर दिया। अन्य पाँच लड़कियों के साथ भी ऐसी ही स्थिति थी। कुछ भी गड़बड़ी न मिलने के बावजूद डीएचएस ने छह लड़कियों को अपने पास रखा और उसके बाद जज ने अमेरिका के हर स्थान के चर्च से प्रत्येक बच्चे को उठाने के आदेश जारी कर दिए। अनुयायी बच्चों को लेकर भागे ताकि बच्चों की उन छह लड़कियों जैसी हालत होने से बचाया जा सके - यह चीजों को तोड़ने का एक अच्छा तरीका है। माता-पिता के साथ बच्चों की दो वैनों को कानून प्रवर्तन वाहनों की भारी भीड़ ने फ्रीवे पर इस प्रकार रुकवाया मानों वे हथियारबंद आतंकियों को तलाश रहे हों। उन्होंने भयभीत शिशुओं और रोते बच्चों को पकड़ लिया और उन्हें कभी उनके माता-पिता को वापिस नहीं लौटाया। यह तो एक तरह का अपहरण था। उन्हें कभी भी ऐसी कोई बात पता नहीं चली जिससे उन बच्चों को नुकसान पहुँचाया गया हो। न ही उन्हें टोनी के विरुद्ध कुछ मिला जिसे वे अपनी आशा के अनुरूप उनके मामले में इस्तेमाल कर सकें। क्योंकि माता-पिता ने अपने बच्चों को टीका लगाने पर आपत्ति जताई थी और ए बेका पाठ्यक्रम का प्रयोग करते हुए बच्चों को पढ़ा रहे थे, इसलिए उन पर बच्चों की उपेक्षा करने के आरोप लगाए गए।

> ***यह अत्याचार इस मिनिस्ट्री को बंद करने के लिए किया गया था------***

सरकार जानती थी कि इस तरह से पूरी मिनिस्ट्री नष्ट की जा सकती है। यह अत्याचार इस मिनिस्ट्री को बंद करने, टोनी को वेटिकन के विरुद्ध बोलने से रोकने और चर्च की पूरी संपत्ति और धनराशि को हासिल करने के लिए किया गया था। उन्होंने मिनिस्ट्री को सहायता प्रदान करने वाले लोगों, साहित्य की टाइप सेटिंग करने, प्रिंट करने, और पूरे अमेरिका और दुनिया में डाक से इसे भेजने वाले लोगों को तितर-बितर करके मिनिस्ट्री को नष्ट करने का प्रयास किया।

क्या यह एक गेस्टापो देश है? वे वेटिकन की करतूतों के लिए उनका पूरा धन क्यों नहीं ले लेते? इस संबंध में एक कोर्ट केस था और उन्होंने कहा था, "वेटिकन अमेरिका में कारोबार नहीं करता है।" अलेमो मिनिस्ट्री द्वारा वितरित किया जाने वाला साहित्य, हमारी धार्मिक स्वतंत्रता और हमारी सरकार पर वेटिकन का प्रभाव दर्शाता है और यह दर्शाता है कि उनके द्वारा नियंत्रित दुनिया हर किसी से यह विश्वास करवाना चाहती है कि वे ही एकमात्र सच्चे चर्च हैं। यदि कोई पंथ है, तो वह वेटिकन ही है!

मिनिस्ट्री से जुड़े माता-पिताओं के पास मिनिस्ट्री छोड़ने अथवा अपने पैतृक अधिकार समाप्त करने और अपने बच्चों को हमेशा के लिए खो देने का चौंकाने वाला विकल्प था। बच्चे और माता-पिता, दोनों तबाही को झेलने लगे। उसके बाद सरकारी एजेंसियों और "काउंसलिंग" ने बच्चों का पूरी तरह ब्रेनवाश किया और वे बच्चे अपने माता-पिता के ही विरुद्ध हो गए, जिस चर्च से उन्होंने कभी प्यार किया था अब उससे नफरत करने लगे।

टोनी अपनी जेल की कोठरी से जो प्रश्न पूछते हैं वह है: "जब कैथोलिक बुरे पंथों में बच्चों के शोषण के जबर्दस्त सबूत मौजूद हैं, तो बच्चों को उनके स्कूल में, उनके चर्च में, उनके अनाथालयों में, कॉन्वेंट आदि में जाने से क्यों नहीं रोका जाता? बच्चों का उत्पीड़न करने वाले इस पंथ के पास अपने बच्चों को भेजने वाले माता-पिता से उनके अभिभावकीय अधिकारों और बच्चों को वापिस क्यों नहीं ले लिया जाता है?"

व्यक्तिगत तौर पर, मेरी माता का उस समय ल्यूकेमिया बीमारी से देहांत हुआ जब समय-पूर्व पैदा हुआ मेरा भाई 6 माह का था और मेरे पिता को अनेक बिलों का भुगतान करना था। जहाँ हम रहते थे उसके पास ही एक कैथोलिक अनाथालय था और वे सभी बच्चों को लेकर वहाँ आ गए। एक कैथॉलिक पुरोहित हमारे घर आया, लेकिन उन्होंने मेरे पिता की मदद करने की बजाए मेरे भाई को और मुझे मेरे पिता के पास से ले जाकर कैथोलिक अनाथालय में डालना

चाहा। मेरे पिता ने उस व्यक्ति को पकड़ा, उसे घर से बाहर निकाल फेंका और उसे लात मारकर सीढ़ियों से नीचे भगा दिया। इसी वजह से मैं वेटिकन के बारे में ऐसा सोचता हूँ। इसके नितंब पर लात मारो और इसे अपने घर से बाहर फेंक दो। मेरे पिता ने यही किया और हम बहुत ही अच्छे और खुशनुमा माहौल में पले-बढ़े। मेरा भाई इस समय बहुत अच्छा कारोबारी है। मेरे पिता ने फिर कभी किसी कैथोलिक चर्च में कदम न रखने की कसम खाई और उन्होंने कभी किसी कैथोलिक चर्च में कदम नहीं रखा। उन्होंने कभी मेरे भाई को किसी कैथोलिक स्कूल नहीं भेजा। मेरे पिता ने मुझे उनका अनुसरण करने के लिए कहा और मुझे भी कैथोलिक स्कूल से निकाल लिया, लेकिन मैंने उनसे वहीं रहने देने की प्रार्थना की क्योंकि मेरे मित्र वहीं पर थे और मैंने हाल ही में अपनी माता को खोया था।

टोनी के मुकदमे से पहले सरकार ने टोनी के विरुद्ध इस्तेमाल किए जाने वाले तीनों गवाहों की ओहियो के एल्बानी के वैलस्प्रिंग रिट्रीट नामक दूर-दराज के स्थान पर दो सप्ताह की गहन डिप्रोग्रामिंग हेतु कल्ट अवेयरनेस नेटवर्क को प्रत्येक गवाह के लिए 5,000.00 डॉलर दिए। उनकी अपनी वेबसाइट के अनुसार, "यह 10 घंटे थेरपी प्रति सप्ताह और 15-20 घंटे की सामूहिक कार्यशालाओं के लिए "गहन कार्यक्रम" प्रदान करता है।" इस प्रकार इन गवाहों ने अभियोक्ताओं, एफबीआई और पुलिस के साथ बिताए अन्य सभी "सेशन्ज" के अलावा इन दो सप्ताह के दौरान 50-60 घंटे की थेरपी पाई। सरकार ने इनकी आने-जाने की यात्रा का और उनमें से एक माता की काउंसलिंग के दौरान उसके बच्चे की देखरेख के लिए 1,500.00 से अधिक अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया।

सरकार ने गवाहों के अपने घर से दूर रहने के दौरान उनके बिलों का भुगतान न किए जाने के बहाने से, जैसे कार बीमा आदि के उनके बिलों का भुगतान करके भी, उन्हें धन दिया। वैलस्प्रिंग के पूर्व प्रमुख, पॉल मार्टिन ने इन गवाहों पर व्यक्तिगत रूप से काम किया। यह घटना दिसम्बर, 2008 में हुई, इसके कुछ ही समय के बाद मार्टिन बीमार पड़ गए और उन्हें ल्यूकेमिया होने का पता चला और कुछ माह बाद उनकी मौत हो गई।

अमेरिका में अन्य मुकदमों के दौरान, वैलस्प्रिंग में कल्ट अवेयरनेस नेटवर्क द्वारा डिप्रोग्राम किए गए गवाहों को कोर्ट से बाहर भगा दिया जाता। यदि बचाव पक्ष की ओर से कोई भी व्यक्ति गवाहों से बात भी करता तो उसके विरुद्ध गवाह के साथ हेर-फेर करने का गंभीर आरोप लगाया जाता। फिर भी टोनी के मामले में, सरकार अपने गवाहों की डिप्रोग्रामिंग करने के लिए उन्हें उस स्थान पर ले जा सकती थी। लोग निष्पक्ष विचारों के साथ जाते और अत्यधिक नकारात्मक विचारों के साथ लौटते थे। यह इस मामले का एक बेहद महत्वपूर्ण बिंदु है।

ब्रिटिश कोलंबिया के प्रोटेस्टेंट मिशन न्यूज़लेटर में, मिनिस्ट्री के उन सदस्यों के संबंध में एक लेख छपा था जो पोप जॉन पॉल द्वितीय की कनाडा यात्रा से पहले वहाँ गए थे और वहाँ उन्होंने गोस्पल साहित्य वितरित किया। "जिस दिन पोप वहाँ पहुँचे, भाईयों को गिरफ्तार कर लिया गया। कोई आरोप नहीं बताए गए, कोई कारण नहीं बताया गया, लेकिन उन्हें तब तक जेल में रखा गया जब तक पोप कनाडा से चले नहीं गए, तब उन्हें बिना कोई कारण बताए अथवा माफी माँगे छोड़ दिया गया।" इस लेख का लेखक कहता है कि रोमन कैथोलिज्म को बेनकाब करने वाले साहित्य के वितरण की वजह से ही टोनी अलेमो एक बार फिर से जेल गए। प्राधिकारियों ने झूठे गवाह जुटाने शुरू कर दिए। यदि प्राधिकारियों को बच्चों के शारीरिक और यौन शोषण की इतनी ही चिंता है तो वे प्रत्येक रोमन कैथोलिक संस्थान को बंद क्यों नहीं कर देते क्योंकि यह प्रमाणित तथ्य है कि अविवाहित पादरियों द्वारा हजारों की संख्या में बच्चों के साथ यौन छेड़छाड़ की गई, उन्हें उत्पीड़ित किया गया और उनकी हत्या तक की गई। आपने किसी पादरी के बारे में कितनी बार ऐसा सुना है, जिस पर बलात्कार और यौन शोषण के आरोप लगाए गए हों, कि उसे दण्ड दिया गया है? आप केवल यही पाते हैं कि यह भ्रष्ट व्यक्ति गुपचुप तरीके से किसी दूसरी मॉनेस्टैरी अथवा चर्च में चला गया है ताकि वह दूसरे स्थान पर अपने कुकर्मों को जारी रख सके। न्याय कहाँ है? कैथोलिक माता-पिता, जो पहले से जानते हैं कि पादरियों द्वारा सभी बच्चों के साथ यौन छेड़छाड़ की जा रही है, तो वे इन विकृत बालकामुक लोगों के पास अपने बच्चों को क्यों भेज रहे हैं? उनका प्राकृतिक प्यार कहाँ चला गया? क्या यह लापरवाही नहीं है? वे बालकामुक लोगों के बारे में जानते हैं और उनके बारे में प्रतिदिन समाचार पत्रों में पढ़ सकते हैं। प्राधिकारी बच्चों के यौन शोषण के इतने बड़े गिरोह को लेकर चिंतित क्यों नहीं? प्राधिकारियों द्वारा दोहरे मानक अपनाए जा रहे हैं, एक रोम के लिए और दूसरा शेष दुनिया के लिए, जैसा कि टोनी अलेमो के मामले में हुआ।

वर्ष 2009 में शेन नाम के एक व्यक्ति (जो अरकंसास डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमन सर्विसेज को डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमन सफरिंग कहता है) ने लिखा कि डीएचएस ने 35 बच्चे चुराए, टोनी अलेमो को जेल में डाला और ऐसा करके उन्होंने बाइबल पर ही प्रभावी तरीके से मुकदमा चला दिया है। अलेमो मिनिस्ट्री कोई पंथ या संप्रदाय नहीं, बल्कि यह तो एक शांतिप्रिय, बाइबल में विश्वास करने वाला ईसाई समुदाय है जो पूरी दुनिया में बाइबल का उपदेश देने में सक्रिय है। जज ने बच्चों को उनके माता-पिता से लिए जाने के संबंध में जो शोचनीय तर्क दिया वह था कि इनका टीकाकरण नहीं किया गया और होम-स्कूल के बच्चों के रूप में इनका सरकार के पास पंजीकरण नहीं करवाया गया। शेन कहते हैं कि अलेमो मिनिस्ट्री उपदेश देती है कि इन अपहरणों के पीछे का असली सच वैटिकन है "मिस्ट्री बेबीलोन दी ग्रेट, पृथ्वी पर वेश्याओं और घृणित वस्तुओं की जननी है" (प्रकाशितवाक्य 17:5)।

टोनी को फँसाए जाने की एकमात्र वजह उसकी सफलता है। उसकी मिनिस्ट्री बेहद लोकप्रिय है और वह लाखों लोगों तक अपना संदेश पहुँचाते थे। यदि वह अपने घर में बैठकर 20 लोगों से बात कर रहे होते, तो उसे कभी परेशानी नहीं होती; लेकिन वे नहीं चाहते थे कि उनके रहस्य खुलें और इसी वजह से उसके साथ ऐसा हुआ। इसका एकमात्र समाधान यही है कि मुख्यधारा के मीडिया में सुनी गई इस कहानी पर आप विश्वास न करें क्योंकि वे आपको बलप्रयोग के बारे में नहीं बताते; वे आपको काफी अधिक सामग्री के बारे में नहीं बताते हैं। उन्होंने दोषसिद्ध किया और उन्हें (अलेमो को) दोषी ठहराया और इस कहानी को केवल अभियोजक के दृष्टिकोण द्वारा संदर्भित करते हैं। जो कोई भी इसे सुनेगा वह यही कहेगा कि, "वह अवश्य

ग्रेग को लाईव सुनें firstamendmentradio.com **हर सोमवार-शुक्रवार 6 बजे शाम - 7 बजे शाम PT.** अलेमो को फँसाने और उनकी मिनिस्ट्री को नष्ट किए जाने के संबंध में वेटिकन के नेतृत्व में न्यू वर्ल्ड ऑर्डर की साजिश के बारे में ग्रेग साप्ताहिक रूप से नवीनतम जानकारी देते हैं। उनसे सुनें कि किस प्रकार अन्य बाइबल-में-विश्वास-रखने-वाली मिनिस्ट्री खतरे में हैं और विगत में किस प्रकार अन्य लोगों के साथ भी अलेमो जैसा व्यवहार किया गया था। ग्रेग का संदेश शीघ्र पूरे देश में शॉर्टवेव रेडियो पर भी प्रसारित होगा। यदि आप अपनी मिनिस्ट्री अथवा चर्च में उन्हें सुनना चाहते हैं तो उनसे बातचीत करने का कार्यक्रम **निश्चित करने के लिए अधिक विवरण हेतु** Greg at gregbeacon@gmail.com पर संपर्क करें।